Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **3**

A–252

B.A. (Part–II) Examination, 2022

RAJASTHANI

Paper - II

(मध्यकालीन राजस्थानी गद्य)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

(सवालां रा जबाव राजस्थानी या हिन्दी में दिया जाय सके।)

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सभी **दस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **50** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **2** अंक का है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **8** अंक का है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए (उत्तर-सीमा **500** शब्द)। प्रत्येक प्रश्न **20** अंक का है।

खण्ड–अ

1. हैठे लिख्यै सवालां रा पडूत्तर देवो (सबद सीमा **50** सबदां म) :

(i) जगदेव परमार कांई दान करियो जिणसूं बै जगचावा है ?

(ii) ऊकाजी कुण हा ?

(iii) कहवाट रै कवि रौ नांव बताओ।

(iv) डोकरी री दीठ म 'बटाऊ' कुण है ?

(v) 'वाचा-अवाचा छै' इणरौ कोई अरथ हुवै ?

(vi) अणतराय किणनै थूँगड़ा चुगाया हा ?

(vii) 'रूठी राणी' रै नांव सूं कुण जाणी जावै ?

(viii) राजस्थानी भासा **दो** वचनिकावां रा नांव।

(ix) कहवाट री कुलदेवी रौ कांई नांव हौ ?

(x) 'अकल री बात' रै भायां रा नांव लिखो।

खण्ड–ब

नोट :– सात सवालां मांय सूं **पाँचरां** पड़ूत्तर देवो (सबद सीमा **200** सबदां म) :

2. 'सुजाण साह' री ओळखाण कराओ।

3. सातल सोम री बात रो सार आपरै सबदां मांय लिखो।

4. व्याख्या करो :

घोड़ा कायजै हुवा अभा है, चोकड़ो चाबै है। कुं तोसो थो, तिको काढ़ि दोनूं ही सिरावणी कीधी। तिसै जगदेवजी कैयो-चावड़ी जी, राजि घोड़ा लिया अठै विराजिया रहिज्यो। हूं नगर मांही जाय कोई हवेली भाड़े लै, पौ राज ने ले जावस्यां, नै बेहू जणा साथै फिरता डूम-डूमणी ज्यूं फिरता रूड़ा न दीसां।" तरै चावड़ी कह्यो—पधारीजै।

5. हिवड़ारी घड़ी मांहे जिकू मांगसि, सू पावीस, म्हारै बाप री छांह, म्हारौ वचन छै। हिवारू मांगै सू पावै। तो कह्यौजी! वचन ? ताहरां सयणी वचन दियौ। कह्यौ जी, म्हारै घरै घूँघट काढ़ौ। कह्यौ-बीजाणंद! चूक ना! द्रव्य मांगि। हूं तूठी छूं। सू मांगि, ज्यूं अंखि हुवै, थारौ स्वारथ करि।

6. अन्नदाता पाणी ऊपर अतरी रीस नहीं कीजै। अेक अरज हूँ करूं सो सांभळ लीजै। इणनै बू रीयां थकां घणा जीव जन्त मर जावसी। नै जिणरो पाप आवसी। हर इणां म मोती नीपजै छै। जिणारी पैदास मिट जावणी।

7. ऊकाजी म्हारा घर म आधी चीज वसत हुवै जो उरी लेवे तो कुण बरजै। ईं ढालरी बिसाय कांई छै। पण जगत री इसी कैणारत बतावै छै। सो दोनूं हाथ सूं ताळी बाजै छै। अेकण हाथ सूं बाजै नहीं। घणा सूंरां सूं तो बैरी धूजै। हर अेक सूर तो मरण पूजै।

8. दास्यां गावणा गावती गढ़ सूं उतरी किसीक दरसावै, सो किरत्यां को सो झूमको, लालां को सो लूयको निजर आवै। हंसा को सो टोळौ कना अपछरा को हबोळौ आवै। इसा हरका सूं कलस बंढावै छै।

खण्ड–स

नोट :– किणी दोय सवालां रा पड़ूत्तर देवो (सबद सीमा **500** सबदां म) :

9. 'सयणी चारणी' री बात रो कथासार बतावतां थकां उणरी विसेसतावां रौ वरणन करौ ?

10. जगदेव पंवार रौ चरित्र चित्रण करो।

11. 'कहवाट विलास' रै 'ऊका' री विसेसतावां बताओ।

12. मध्यकालीन गद्य री दो विधावां माथै सांपोपांग टीप लिखो–

    (i) वचनिका

    (ii) टब्बा

    (iii) ख्यात

    (iv) विगत